सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 61 | इंदौर, बुधवार 06 सितंबर, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

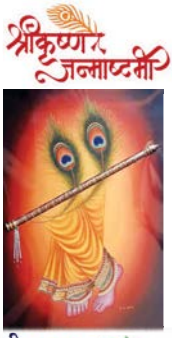

Headline

1. G-20 Summit: 'फर्क नहीं पड़ता कि..', जी-20 समिट में रूस-चीन के राष्ट्रपति के शामिल न होने पर बोले जयशंकर
2. अवसान: PM की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार SPG के निदेशक एके सिन्हा का निधन, 61 की उम्र में ली आखिरी सांस
3. Sanatana Dharma: सनातन धर्म पर विवादित टिप्पणी के लिए स्टालिन और प्रियांक खरगे के खिलाफ केस दर्ज, लगे ये आरोप
4. Haryana: मंत्री संदीप सिंह के चंगुल से भागते वक्त महिला कोच को लगी थी चोट, चार्जशीट में होश उड़ाने वाले खुलासे

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर पथराव

चीता प्रोजेक्ट के विरोध में किया हमला, 6 आरोपी अरेस्ट

गृहमंत्री बोले- कमलनाथ महीनों से उकसा रहे थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

नीमच। मध्यप्रदेश के नीमच में मंगलवार को भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। करीब 100 से 150 लोग यात्रा के सामने आ गए। भाजपा नेताओं ने काफी देर तक उन्हें समझाने की कोशिश की, तभी अचानक यात्रा पर पथराव शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने सड़क पर पत्थर जमा कर रखे थे। इस हमले में यात्रा में शामिल वाहनों के कांच फूट गए। इस मामले में बुधवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रीवा में कहा- कमलनाथ कई महीने से उकसाने का काम कर रहे थे। वे कह चुके थे कि मणिपुर जैसा पथराव हो सकता है।

एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया ने बताया कि पुलिस ने 19 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। अब तक भेरूलाल सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वीडियो के आधार पर अज्ञात लोगों की पहचान कर उन्हें भी आरोपी बनाया जाएगा।

घटना मंगलवार रात करीब 8 बजे जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर दूर रामपुरा क्षेत्र के राउली कुड़ी गांव में हुई। यात्रा पर हमले की वजह चीता प्रोजेक्ट को लेकर विरोध भी बताया जा रहा है। वन विभाग चीता प्रोजेक्ट के तहत जंगल में फेंसिंग कर रहा है। ग्रामीणों के मवेशियों को आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। इसी बात को लेकर ग्रामीण भड़के हुए हैं।

◆ भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

यात्रा के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव, बंशीलाल गुर्जर और मनासा विधायक माधव मारू भी यात्रा के साथ थे। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस ने ये हमला कराया है।

कैलाश विजयवर्गीय ने बताया - 'हमारी यात्रा आगे बढ़ रही थी। मनासा और रामपुरा में यात्रा का जोरदार स्वागत हुआ। रामपुरा के आगे रावली कुड़ी गांव में कुछ लोगों ने जंगल में पशुओं को जाने नहीं देने को लेकर फॉरेस्ट के लोगों की शिकायत की। हमने उन्हें समस्या हल करने का भरोसा दिया और आगे बढ़ गए, तभी 15 से 20 लोगों ने जय कमलनाथ के नारे लगाते हुए पत्थरबाजी शुरू कर दी। हमें समझ ही नहीं आया कि हो क्या रहा है। पुलिस उन्हें रोकती तब तक कई वाहनों के कांच फूट गए।'

वीडी का आरोप- प्लानिंग के साथ किया हमला- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का आरोप है कि कांग्रेस के अपराधियों और गुंडों ने यात्रा पर पथराव किया है। जन आशीर्वाद यात्रा को मिल रहे अपार जनसमर्थन से कांग्रेस घबरा गई है। प्लानिंग के साथ पेड़ों के पीछे छिपकर यात्रा पर हमला किया गया है। इसका जवाब दिया जाएगा। ऐसे गुंडे लोगों को छोड़ेंगे नहीं। कांग्रेस का यह कृत्य दुर्भाग्यजनक है। इसकी कड़ी आलोचना करता हूं। यात्रा और सफलता के साथ आगे बढ़ेगी। यह गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर चलने नहीं देंगे।

◆ जो जनता को दिया, जनता उसे ब्याज समेत लौटाने को तत्पर

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर पथराव की घटना पर कमलनाथ ने कहा कि समाज के हर वर्ग का उत्पीड़न करने के बाद भी शिवराज सरकार को लगता है कि जनता उन पर पत्थर नहीं, फूल बरसाएगी। 18 साल के शासन में जनता को जो दिया है, जनता उसी को मय ब्याज के लौटाने को तत्पर है।

कमलनाथ ने ट्वीट कर ये भी कहा कि मैं जनभावनाओं को भली-भांति समझता हूं, लेकिन फिर भी मध्यप्रदेश की सम्मानित जनता से मेरा अनुरोध है कि विरोध को लोकतांत्रिक तरीके में रखें और अपराधियों को दंडित करने का काम न्यायालय को ही करने दें।

◆ विवाद की वजह चीता प्रोजेक्ट

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर जिस इलाके में हमला हुआ, वह गांधीसागर अभयारण्य क्षेत्र में आता है। बताया जा रहा है कि चीता प्रोजेक्ट के लिए यहां एक बाड़ा तैयार किया जा रहा है। जबसे इस प्रोजेक्ट के लिए तार फेंसिंग का काम शुरू किया गया, तभी से विवाद की स्थिति बनने लगी थी।

तार फेंसिंग से पशुपालन करने वाले ग्रामीण नाराज हैं। उन्हें लग रहा है कि फेंसिंग के बाद मवेशियों को चराने के लिए जमीन नहीं बचेगी। सैकड़ों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। इसी के चलते समय-समय पर ग्रामीण विरोध करते रहे हैं। साथ ही जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासन को भी ज्ञापन देकर आगाह करते रहे हैं।

◆ चीता प्रोजेक्ट को लेकर कोई विरोध नहीं: बीजेपी जिलाध्यक्ष

भाजपा जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार ने बताया कि ग्रामीणों में चीता प्रोजेक्ट को लेकर कोई विरोध नहीं है। उनकी जो मांगें थीं पहले ही मान ली गई। कुछ एक समस्याएं थी, उनके भी समाधान के लिए कह दिया गया था। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के मनासा दौरे पर भी इस विषय को लेकर कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। इस तरह का हमला कहीं ना कहीं राजनीति से प्रेरित है।

मुख्य मार्गों, मोहल्लों तथा कॉलोनियों की सड़के बनाने के लिए निगम को नहीं मिल रहे है ठेकेदार

दूसरी बार 10 करोड़ के 8 अलग-अलग ग्रुप में जारी हुए टेंडर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर के मुख्य मार्गों से लेकर कॉलोनी मोहल्लों की सड़कों पर गड्ढे हो रहे हैं। इनको भरने के लिए नगर निगम जनकार्य विभाग ने 10 करोड़ रुपए के शहर में 6 अलग-अलग ग्रुप में टेंडर जारी किए। पहली बार टेंडर जारी करने पर किसी ठेकेदार के न आने के चलते दूसरी बार टेंडर बुलाए गए, लेकिन 6 में से सिर्फ 3 नंबर ग्रुप में सिंगल टेंडर ही आया। इसके लिए अब तीसरी बार टेंडर जारी किए जा रहे हैं। दरअसल निगम से पैसा न मिलने पर कोई ठेकेदार शहर की सड़कों के गड्ढे भरने को तैयार न ही और टेंडर नहीं डाल रहे हैं। गड्ढों के न भरने से जनता परेशान हैं।

पिछले दिनों हुई बरसात के दौरान शहर की चौड़ी सड़कों और मुख्य मार्गों पर गड्ढे हो गए। इसके साथ ही कॉलोनी व मोहल्लों की सड़को पर छोटे-छोटे गड्ढे होने से छलनी हो गई। बरसात के धमने पर गड्ढों को भरकर सड़कों की हालत सुधारने की सुध निगम के जनकार्य विभाग ने ली और डामर पेंचवर्क करने के लिए शहर में अलग- अलग 6 ग्रुप में टेंडर जारी किए। तकरीबन 10 करोड़ रुपए के टेंडर डामर पेंचवर्क को लेकर जारी किए गए। पहली बार टेंडर जारी करने पर एक भी नहीं आया। इस पर जनकार्य विभाग ने दूसरी बार फिर टेंडर जारी किए, लेकिन 6 ग्रुप में से 3 नंबर ग्रुप में सिंगल टेंडर आया। इसलिए जनकार्य विभाग ने टेंडर को निरस्त कर अब तीसरी बार टेंडर बुलाने की तैयारी कर ली है। शहर की सड़कों पर गड भरने के लिए टेंडर न आने की वजह निगम से ठेकेदारों को भुगतान न होना बताया जा रहा है।

लोग हो रहे हैं परेशान- शहर की अधिकतर सड़कों पर गडढे हो रहे हैं। इस वजह से वाहन अनबैलेंस हो रहे हैं और दुर्घटनाएं अलग हो रही है। इधर शहर में निगम खुद ड्रेनेज, स्टॉर्म वाटर और पानी की पाइप लाइन डालने को लेकर जगह-जगह सड़कों पर गड्ढे खोद रहा है। काम होने के बाद ठेकेदार गड्ढा को सही ढंग से नहीं भर रहे और निगम के 19 जोन पर तैनात जोनल अफसर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के विजेता शहरों को भोपाल में मिलेगा पुरस्कार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस-2023 (इंटरनेशनल-डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्ल्यू स्काईज) पर केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश पर्यावरण विभाग के सहयोग से भोपाल में राष्ट्रीय कार्यक्रम किया जा रहा है। अब तक यह कार्यक्रम नई दिल्ली में हुआ था। यह पहली बार है कि इंटरनेशनल-डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्ल्यू स्काईज का राष्ट्रीय कार्यक्रम दिल्ली से बाहर किसी राज्य मध्यप्रदेश के भोपाल में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ 7 सितम्बर को सुबह 11 बजे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में होगा। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, प्रदेश के पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। टू गेदर फॉर क्लीन एयर कार्यक्रम में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में प्रथम तीन स्थान पाने वाले शहरों को भी पुरूस्कृत किया जायेगा। मध्यप्रदेश ने इसमें विशेष सफलता हासिल की है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इंदौर ने प्रथम और भोपाल ने 5वाँ स्थान, जबलपुर ने 13वाँ और ग्वालियर ने 41वाँ स्थान प्राप्त किया है। तीन से 10 लाख तक शहरों की श्रेणी में सागर को देश में 10वाँ और 3 लाख से कम आबादी वाले शहरों में देवास को 6वाँ स्थान मिला है।

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिये दिव्यांगों को दी गई फोटो कॉपी दुकान संचालन की सुविधा

इंदेर। प्रत्येक बुधवार को जिला चिकित्सालय परिसर में दिव्यांगजनों के लिए नि:शक्तता प्रमाण-पत्रों के बनाने का कार्य और वितरण किया जा रहा है। इसके लिये मेडिकल बोर्ड भी इस दिवस बैठ रहा है। जिला मेडिकल बोर्ड में दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों को फोटोकॉपी करवाने के लिए दूर जाना पडता है, उनकी सुविधा के लिए अरुणाभ संस्था के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के द्वारा चलित फोटोकॉपी शाप संचालित की जायेगी। फोटोकॉपी से होने वाली आय इन बच्चों को संस्था द्वारा वेतन के रूप में बराबर हिस्से में वितरित की जायेगी। इससे इन बच्चों में कौशल विकास का उन्नयन होगा तथा वह भी आत्मनिर्भर बनेगें। आगामी बुधवार से बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के द्वारा फोटोकॉपी शाप संचालित की जायेगी, इस हेतु इनके लिए हॉस्पिटल परिसर में जहाँ मेडिकल प्रमाण-पत्र बनाए जाते है, वहा मशीन रखे जाने की व्यवस्था की जा रही है।

बिजली कंपनी के प्रबंध निदेशक तोमर ने ली मिटिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने मंगलवार को कंपनी क्षेत्र के सभी जिलों के बिजली अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस से मिटिंग ली। इसमें उन्होंने कहा कि उपभोक्ता सेवाओं के प्रति सभी गंभीरता से कार्य करे। 9 सितंबर को लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों के समाधान के लिए प्रयास करे। श्री तोमर ने कहा कि ऊर्जस, 1912 या जोन, वितरण केंद्र पर आने वाली शिकायतों के भी त्वरित निराकरण के लिए सभी कर्मचारी, अधिकारी अधिकतम प्रयास करे। उन्होंने आबादी क्षेत्रों में आगामी त्योहार गणेशोत्सव, नवरात्रि, दीपावली के मद्देनजर भी मैंटेनेंस एवं अन्य तैयारी के लिए कहा। श्री तोमर ने आरडीएसएस के कार्यों की प्रगति भी तय शेड्यूल के अनुसार करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री रिंकेश कुमार वैश्य, निदेशक श्री पुनीत दुबे, श्री सचिन तालेवार, कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, वरिष्ठ अधिकारी श्री एसएल करवाड़िया, श्री रवि मिश्रा आदि मौजूद थे।

नए अंदाज में मनाया शिक्षक दिवस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, इसी कड़ी में जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में नए अंदाज में शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमें एक ही मंच पर विद्यार्थी अपने शिक्षकों के साथ रैंप वॉक करते हुए नजर आए और अपने इस अटूट रिश्ते को सम्मान दिया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय सभ्यता व संस्कृति के अनुरूप शिक्षकों के प्रति आदर भाव को व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुतियां दी, जिसमें गीत, नृत्य, भाषण व नाटक पेश किए गए। प्राचार्या श्रीमती नलिनी पाठक ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ रैंप वॉक कर गुरु शिष्य के इस अनूठे रिश्ते को सम्मान दिया है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफके सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

27 से 29 तक होगा स्मार्ट सिटी अवार्ड समारोह

निगम व्यवस्थाओं में जुटा, अफसरों को जारी किए निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, इंदौर। भारत सरकार के निदेर्शानुसार आगामी 27, 28 एवं 29 सितम्बर 2023 को इंदौर शहर में आयोजित स्मार्ट सिटी अवॉर्ड समारोह के संबंध में सीटी बस में समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में समस्त अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख, समस्त स्मार्ट सिटी के अधिकारी व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें। आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा आगामी 27, 28 एवं 29 सितम्बर 2023 को इंदौर शहर में आयोजित स्मार्ट सिटी अवॉर्ड समारोह को लेकर निगम स्तर से कि जाने वाले आवश्यक व्यवस्थाऐं, जिनमें सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, एअरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर तक, शहर की प्रमुख होटल व दर्शानिक स्थलो के संपर्क मार्ग सहित अन्य मार्गो पर आवश्यक पेव्हर ब्लॉक, सीटीपीटी संधारण कार्य, जलप्रदाय व्यवस्था व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ के संबंध में विभागीय अधिकारियो को दिशा-निर्देश दिये गये। इसके साथ ही आयुक्त द्वारा इंदौर शहर में आयोजित स्मार्ट सिटी अवॉर्ड में देश के विभिन्न शहरो के जनप्रतिनिधियों के साथ ही आने वाले प्रशासनिक अधिकारियो की संख्या को दृष्टिग रखते हुए, व्यापक स्तर पर पार्किंग व्यवस्था करने, ब्रांडिंग कार्य के संबंध में भी निर्देश दिये गये।

कटाक्ष

वर्षों पुराने स्टूडेंट्स को देखकर गुरु हुए भावविभोर

पूर्व छात्र बोले- आपकी शिक्षा से मिली सफलता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया गया। शिक्षक का हमारे जीवन में अमूल्य योगदान है। शिक्षकों के बिना यह मानव जीवन सार्थक नहीं है। हर किसी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों को अमल करना चाहिए। इसी के तहत गुजराती आर्ट्स एंड लॉ कॉलेज एल्यूमिनी ग्रुप द्वारा शिक्षक दिवस के पूर्व अपने 30 साल पुराने शिक्षक, प्रो. का उनके घर जाकर ढोल-ढमाकों के साथ अपने गुरुजनों का सम्मान किया। उनके चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

एलुमनी संयोजक प्रवीण नागदिवे में बताया कि हमारी कोशिश थी कि हमें शिक्षा देने वाले उन सभी शिक्षकों को जो अपना जीवन ऐसे ही व्यतीत कर रहे हैं, उन्हें वापस कॉलेज के टीचर्स वाला सम्मान देकर उनका आशीर्वाद लें। हमारी यह कोशिश पूरी तरह कामयाब भी रही हमने हमारे गुरुजनों को हमारे सम्मुख पाकर हम भाव विभोर हो गए।

पूर्व प्रोफेसर और प्राचार्य का सम्मान किया- व्यंग्यकार और साहित्यकार पूर्व प्रो. समाजशास्त्र डॉ. जवाहर चौधरी, समाजशास्त्री डॉ. राजेंद्र जैन, स्पोर्ट्स टीचर प्रसन्न वाल्टर, अर्थशास्त्र की प्रो. डॉ. निरुपमा नागर, वरिष्ठ फोटोग्राफर और राजनीति विज्ञान के प्रो. सुबंधु दुबे, अर्थशास्त्री डॉ. आर एन लाड़ और प्राचार्य एवं इतिहास की प्रो. डॉ. शुभा ओझा का उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर सम्मान से अभिभूत हुए व्यंग्यकार पूर्व प्रो. डॉ. जवाहर चौधरी ने कहा कि रिटायरमेंट के इतने वर्षों बाद अपने कॉलेज समय के सैकड़ों स्टूडेंट को एक साथ देखकर मेरे अंदर फिर से वह कॉलेज वाली रवानगी लौट आई है। आप सबके आने से मेरी जिंदगी और खुशनुमा हो गई है।

कृष्ण

को पाने का प्रयास मत कीजिये..
केवल प्रेम कीजिए..!

कुछ छूटने पर भी कैसे खुश रहा जा सकता है, यह कृष्ण से अच्छा कोई सिखा ही नहीं सकता..

प्रेममय कृष्ण किसे मिले, राधा या रुक्मिणी को...

कभी सूरदास ने एक स्वप्न देखा था कि रुक्मिणी और राधिका मिली हैं और एक दूजे पर न्योछावर हुई जा रही हैं।

सोचता हूँ, कैसा होगा वह क्षण जब दोनों ठकुरानियाँ मिली होंगी। दोनों ने प्रेम किया था। एक ने बालक कन्हैया से, दूसरे ने राजनीतिज्ञ कृष्ण से। एक को अपनी मनमोहक बातों के जाल में फँसा लेने वाला कन्हैया मिला था, और दूसरे को मिले थे सुदर्शन चक्र धारी, महायोद्धा कृष्ण।

कृष्ण राधिका के बाल सखा थे, पर राधिका का दुर्भाग्य था कि उन्होंने कृष्ण को तात्कालिक विश्व की महाशक्ति बनते नहीं देखा। राधिका को न महाभारत के कुचक्र जाल को सुलझाते चतुर कृष्ण मिले, न पौंड्रक-शिशुपाल का वध करते बाहुबली कृष्ण मिले।

रुक्मिणी कृष्ण की पत्नी थीं, पटरानी थीं, महारानी थीं, पर उन्होंने कृष्ण की वह लीला नहीं देखी जिसके लिए विश्व कृष्ण को स्मरण रखता है। उन्होंने न माखन चोर को देखा, न गौ-चरवाहे को। उनके हिस्से में न बाँसुरी आयी, न माखन।

कितनी अद्भुत लीला है। राधिका के लिए कृष्ण कन्हैया था, रुक्मिणी के लिए कन्हैया कृष्ण थे। पत्नी होने के बाद भी रुक्मिणी को कृष्ण उतने नहीं मिले कि वे उन्हें "तुम" कह पातीं। आप से तुम तक की इस यात्रा को पूरा कर लेना ही प्रेम का चरम पा लेना है, स्वम्णि कभी यह यात्रा पूरी नहीं कर सकीं।

राधिका की यात्रा प्रारम्भ ही 'तुम' से हुई थी। उन्होंने प्रारम्भ ही "चरम" से किया था। शायद तभी उन्हें कृष्ण नहीं मिले।

कितना अजीब है न! कृष्ण जिसे नहीं मिले, युगों युगों से आजतक उसी के हैं, और जिसे मिले उसे मिले ही नहीं।

तभी कहता हूँ, कृष्ण को पाने का प्रयास मत कीजिये। पाने का प्रयास कीजियेगा तो कभी नहीं मिलेंगे। बस प्रेम कर के छोड़ दीजिए, जीवन भर साथ निभाएंगे कृष्ण। कृष्ण इस सृष्टि के सबसे अच्छे मित्र हैं। राधिका हों या सुदामा, कृष्ण ने मित्रता निभाई तो ऐसी निभाई कि इतिहास बन गया।

राधा और रुक्मिणी जब मिली होंगी तो रुक्मिणी राधा के वस्त्रों में माखन की गंध ढूंढती होंगी, और राधा ने रुक्मिणी के आभूषणों में कृष्ण का वैभव तलाशा होगा। कौन जाने मिला भी या नहीं। सबकुछ कहाँ मिलता है मनुष्य को... कुछ न कुछ तो छूटता ही रहता है।

जितनी चीज़ें कृष्ण से छूटीं उतनी तो किसी से नहीं छूटीं।

कृष्ण से उनकी माँ छूटी, पिता छूटे, फिर जो नंद-यशोदा मिले वे भी छूटे। संगी-साथी छूटे। राधा छूटीं। गोकुल छूटा, फिर मथुरा छूटी। कृष्ण से जीवन भर कुछ न कुछ छूटता ही रहा। कृष्ण जीवन भर त्याग करते रहे।

हमारी आज की पीढ़ी जो कुछ भी छूटने पर टूटने लगती है, उसे कृष्ण को गुरु बना लेना चाहिए। जो कृष्ण को समझ लेगा वह कभी अवसाद में नहीं जाएगा। कृष्ण आनंद के देवता है। सब कुछ छूटने पर भी कैसे खुश रहा जा सकता है, यह कृष्ण से अच्छा कोई सिखा ही नहीं सकता।

(Social media से साभार)

कमलनाथ ने शिवराज पर फिर निशाना साधा-

सीएम घोषणा मशीन, सरकारी खर्च पर अपनी पार्टी का प्रचार कर रहे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले आरोप-प्रत्यारोप की सियासत जोरों पर है। अब पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीएम शिवराज पर फिर निशाना साधा है। उन्होंने सीएम को घोषणा मशीन बताया है और कहा है कि वे सरकारी खर्च पर अपनी पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। जनता सब देख रही है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ छिंदवाड़ा दौरे पर पहुंचे थे। उनके इस दौर में सांसद नकुलनाथ भी साथ में हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सीएम शिवराज सिंह चौहान घोषणा की मशीन बन गए हैं और ये मशीन दुगनी स्पीड पर चल रही है। ये कितना फायदा उठा रहे हैं, सरकारी कर्मचारी, सरकारी खर्च राजनीतिक उपयोग के लिए। ये आज हालात हैं। शासकीय पैसे से ये अपनी राजनीति कर रहे हैं। वन नेशन के मुद्दे पर कमलनाथ ने कहा कि वे लागू करें, लेकिन उन्हें संविधान का पालन करना पड़ेगा।

कार्यकर्ता हमारे संगठन की नींव

इससे पहले भोपाल में ब्लॉक कांग्रेस के कार्यक्रम में कमलनाथ ने कहा, कांग्रेस के लिए तो ऐतिहासिक दिन है। जिन्होंने कांग्रेस को जीवित रखा है, आप सब लोग यहां पर हैं। उन्होंने रणदीप सुरजेवाला से कहा- अगर कांग्रेस मध्यप्रदेश में जीवित है तो कमलनाथ के कारण जीवित नहीं हैं। जो सामने बैठे हैं उनके कारण जीवित है। आप हमारे संगठन की नींव हैं। चुनाव में हमारा मुकाबला बीजेपी से नहीं, हमारा मुकाबला उसके संगठन से है। हमें ये याद रखना है। आप कांग्रेस के हैं। यह बात याद रखिए। तीन-चार महीना में पूरी निष्ठा से कम किया तो कमलनाथ के कारण नहीं आपके कारण कांग्रेस की सरकार बनेगी। हम भूल जाते हैं कि हम कांग्रेस के हैं। हमें वह व्यक्ति ढूंढना है जो हमारे नजदीक नहीं है लेकिन जनता के नजदीक है। आप सब लोगों को वोटर लिस्ट पर पूरा ध्यान देना है। इन्होंने वोटर लिस्ट की राजनीति की है। कई लोगों के नाम काट दिए। 10 दिन के लिए सब छोड़ दीजिए। आप केवल वोटर लिस्ट पर ध्यान दीजिए। कौन से नाम गलत जुड़े हैं। प्रशासन भी समझ गया है कि क्या होने वाला है। आज बीजेपी के पास केवल पुलिस पैसा और प्रशासन है। पुलिस समझ गई है कि कमलनाथ 2018 के मॉडल नहीं है। कमलनाथ 2023 के मॉडल हैं। कमलनाथ ने कहा बीजेपी बहुत गर्म करेगी कि आज सूखा पड़ रहा है। यह सर्वे नहीं कर रहा है, ये मंदिर जा रहे हैं। बीजेपी की कलाकारी की राजनीति जनता को गुमराह करने की राजनीति से आपको सावधान रहना है। मैं आपसे कह रहा हूं कि 7 तारीख को हमारी भारत जोड़ो यात्रा की सालगिरह है। आप इसको जरूर मनाना।

175 का आंकड़ा भी पार हो सकता है

ऑब्जर्वर चंद्रकांत हंडोरे ने कहा, हमारा काम ऑब्जरवेशन करना है। पार्टी के प्रत्याशी की जीत कराने का काम आपके माध्यम से करना है। ब्लॉक अध्यक्ष पार्टी के बेस हैं। इन्होंने यदि सही ढंग से काम किया तो प्रदेश में 175 का आंकड़ा भी पार हो सकता है। आप लोगों से मेरा अनुरोध है कि गांव-गांव जाएं, नुक्कड़ सभाएं करें, आम जनता से मिले। कांग्रेस पार्टी के बारे में उनको समझाएं। उन्हें बताएं हमारी पार्टी सर्वधर्म समभाव को मानने वाली है। राहुल गांधी पार्टी के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं। कमलनाथ जी आज देश की राजनीति कर सकते हैं। लेकिन, मध्यप्रदेश में हमारी आम जनता के सुख-दुख का विचार करके उन्होंने यही काम करने का निश्चय किया। हमें आशा है कि हमारे वरिष्ठ नेता उनके नेतृत्व में प्रदेश की जनता सुख और समृद्धि की ओर जाएगी। पिछले 9 साल से केंद्र में जो सरकार है वह जातिवाद और धर्मवाद को बढ़ावा दे रही है। जुमलेबाज सरकार है। जिन्होंने कहा था 15 लाख हम आपकी जेब में डालेंगे, भ्रष्टाचार मुक्त भारत करेंगे सारी घोषणाएं हवा में ही उड़ गई।

हर कार्यकर्ता को मिलेगा मेहनत का फल

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, मैं कमलनाथ जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मंडल सेक्टर की जो संरचना संगठन की बनाई उसका आने वाले समय में पार्टी को लाभ मिलेगा। आज पूरे प्रदेश में जनसैलाब दिख रहा है। इसमें नौजवान अध्यक्ष कमलनाथ का बहुत बड़ा योगदान है। नौजवान इसलिए क्योंकि मन से बुजुर्ग नहीं होता। कमलनाथ आज भी सुबह से लेकर रात को 10-11 बजे तक हर आदमी छोटे-छोटे पार्षद तक के कार्यकर्ताओं से मिलते हैं। पिछली बार 2 सरकार बनी। आप लोगों के खून पसीने मेहनत के बल पर बनी थीं।

प्रेमी के साथ मिलकर पति का गला रेता

15 दिन पहले ही हुई थी शादी, खरगोन के जंगल से गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल में 26 जुलाई को होटल में काम करने वाले हलवाई की हत्या के आरोप में पत्नी, उसके प्रेमी और प्रेमी के चचेरे भाई को खरगोन से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने खंडवा से भोपाल आकर हत्या की और रात में ही वापस लौट गए।

26 जुलाई की रात बागसेवनिया में मानिक सिंह (35) का शव घर में संदिग्ध हालत में मिला था। पहले उसका गला घोंटा फिर रेत दिया। मानिक मूलतः राजस्थान के बीकानेर का रहने वाला था। 10 जुलाई को उसकी भैरोपुर पुनासा जिला खंडवा निवासी आरती चौहान से शादी हुई थी।

वारदात के तीन दिन पहले यानी 22 जुलाई को आरती अपने मायके चली गई थी। पुलिस ने जब उसे बयान के लिए बुलाया तो उसने आने से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आरती के खिलाफ साक्ष्य जुटाना शुरू किए।

जांच में पता चला कि घटना वाली रात आरती अपने प्रेमी राजा वर्मा और उसके चचेरे भाई रंजीत के साथ बाइक से खंडवा से भोपाल आई थी। पुलिस ने इस आधार पर उससे पूछताछ की तो वह गुमराह करने लगी। पुलिस को फुटेज मिले थे। इसमें वह बाइक पर दो साथियों के साथ आते-जाते दिखी थी। उन्होंने बाइक मानिक के घर से कुछ दूर खड़ी की और पैदल घर तक आए।

भोपाल से खंडवा भागे, वहां से खरगोन पहुंचे

पुलिस के मुताबिक, मानिक की हत्या के बाद तीनों आरोपी खंडवा गए थे। आरती के प्रेमी राजा के पिता मछली का कारोबार करते हैं। राजा भी इसी काम से जुड़ा हुआ है। राजा ने अपने घर पहुंचने के बाद करीब एक लाख रुपए चोरी से निकाल लिए थे। इसके बाद चचेरे भाई रंजीत (18) और प्रेमिका को लेकर खंडवा से भाग निकला। तीनों आरोपी ने अलग-अलग स्थानों पर फरारी काटी। जब उन्हें लगा कि अब पुलिस उन तक नहीं पहुंचेगी, तो खंडवा फिर खरगोन चले गए। खरगोन में राजा और रंजीत के ताऊ रहते हैं। यहां राजा ने ताऊ को बताया कि वह आरती को भगाकर लाया है। उससे शादी कर ली है। उनकी जान को खतरा है, इसलिए यहीं रहना चाहता है। खरगोन में छिपे होने की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम वहां पहुंच गई। इसकी भनक आरोपियों को लगी तो वे भाग निकले।

लाड़ली लक्ष्मी योजना से 46 लाख बेटियां लखपति बनीं, हर साल दो मई को मनाया जाएगा लाड़ली लक्ष्मी दिवस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिला एवं बाल कल्याण की शुरू की गई विभिन्न योजनाओं से बहनों के जीवन में सुधार आ रहा है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं और बहनों को आर्थिक रूप से स्वावलंब बना रही है। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना की सहायता से राज्य की 46 लाख बेटियां लखपति बन गई है। इसी तरह मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का विस्तार बढ़ने से अब 23 से 60 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए महिलाओं को अब किसी पर आश्रित होने की जरूरत नहीं है। प्रदेश सरकार की महिला विकास के लिए शुरू की गई बहुआयामी योजनाओं का लाभ सीधे रूप से महिलाओं के जीवन पर पड़ रहा है। आर्थिक स्वावलंबता के साथ ही प्रदेश सरकार के महिला उद्यमिता के रास्ते भी आसान कर दिए है। जो बहने अपना खुद का कारोबार शुरू करना चाहती हैं उनके लिए आजीविका मिशन के अंतर्गत दो प्रतिशत की ब्याज दर पर बैंक से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाएं घर की धुरी होती हैं और प्रारंभिक स्तर आर्थिक विपन्नताएं महिलाएं के जीवन पर बड़ा असर डालती है, किसी भी बहन को घर के हालात की वजह से संकट न झेलना पड़ें, इसके लिए प्रदेश सरकार की दो अति महत्वकांक्षी योजनाएं महिलाओं को स्वालंब बनाने में सहायक साबित हो रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना से प्रदेश की 46 लाख बेटियां लखपति बन गई हैं, इसके साथ ही 13 लाख बेटियों को छात्रवृत्ति मिल रही हैं, जिससे बेटियों की शिक्षा प्रभावित न हो। स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश करने पर बहनों को 25 हजार रुपए की सहायता राशि दो किश्तों में दी जाएगी, जिससे बहनों की पढ़ाई पूरी हो। बहनों का मनोबल ऊंचा करने के लिए हर साल दो मई को लाड़ली लक्ष्मी दिवस मनाने की घोषणा की गई है। जिला स्तर पर लाड़ली लक्ष्मी पंचायतें आयोजित कर बहनों के साथ संवाद कायम किया जा रहा है, जिसके लिए लाड़ली ई-संवाद मोबाइल एप भी बनाया गया है। लाड़ली बहना योजना का दायरा बढ़ने के बाद अब ऐसी महिलाओं को भी प्रति माह एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं जिन्हें पहले योजना का पात्र नहीं माना गया था। परिवार का कोई सदस्य यदि पंच या उपपंच का चुनाव जीत चुका है ऐसे परिवार की महिलाएं भी लाड़ली बहना योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं। महिला कल्याण के लिए प्रतिबद्ध प्रदेश सरकार ने शराब के ठेकों पर भी सख्त पाबंदियां लगा दी हैं।

संपादकीय

ताकि अपराध न करें

सरकार और पुलिस के अधिकार क्षेत्र के मसले पर खींचतान का हासिल यह है कि बढ़ती आपराधिक घटनाओं की जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती है। निश्चित रूप से पुलिस की कार्यशैली और उसका प्रभाव ऐसा होना चाहिए कि आपराधिक मानसिकता या फिर आक्रामक बर्ताव वाले किसी भी व्यक्ति के भीतर अपनी मंशा को पूरा करने से पहले एक खौफ काम करे ताकि वह अपराध न करे। देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति बाकी जगहों के मुकाबले बेहतर होगी और यहां आपराधिक मानसिकता के लोगों के भीतर पुलिस का खौफ होगा। लेकिन अमूमन हर रोज किसी न किसी इलाके से ऐसी खबरें आती हैं, जिनसे ऐसा लगता है कि वारदात को अंजाम देने से पहले अपराधी के भीतर शायद कानूनी कार्रवाई का कोई डर नहीं होता। हालत यह है कि मामूली बातों पर विवाद या फिर रंजिश का हल कुछ लोग हिंसक टकराव से करना चाहते हैं और इस क्रम में आए दिन किसी न किसी की हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीते दो दिनों में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आपसी रंजिश की वजह से दो युवकों की हत्या की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि लोगों के भीतर कानून का डर खत्म होता जा रहा है। उत्तम नगर थाना क्षेत्र में कुछ लड़कों ने एक युवक को पीट-पीट कर मार डाला, वहीं आनंद पर्वत इलाके में भी एक अन्य युवक की हत्या कर दी गई। दोनों मामलों में आपसी रंजिश को मुख्य कारण बताया जा रहा है। दिल्ली में हुई ये घटनाएं आए दिन होने वाली वारदात की महज कड़ियां भर हैं, जिनमें छोटी-सी बात पर विवाद के बाद किसी की हत्या तक कर दी जा रही है। हाल ही में सड़क पर किसी बात पर सिर्फ बहस के बाद कुछ युवकों ने एक कंपनी के प्रबंधक की गोली मार कर हत्या कर दी। कुछ दिन पहले पचासी साल की एक वृद्ध महिला से बलात्कार और हिंसा की खबर आई। ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं और बुजुर्ग तक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसा लगता है कि पुलिस की भूमिका वारदात के बाद सिर्फ कार्रवाई की रह गई है। जबकि पुलिस की मौजूदगी और कानून-व्यवस्था के दुरुस्त होने का प्राथमिक असर यह होना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को कोई गैरकानूनी काम करने से पहले यह भय हो कि खुद उसके साथ कानूनन क्या हो सकता है। लेकिन आपराधिक प्रवृत्ति या पेशेवर अपराधियों के दुस्साहस की तो दूर, आम लोगों के बीच भी अक्सर ऐसी घटनाएं होने लगी हैं, जिनमें किसी मामूली बात पर हुई बहस का अंजाम हिंसक टकराव या फिर हत्या के रूप में हो जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्रशासित प्रदेशों में 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर सबसे ज्यादा दिल्ली में ही दर्ज की गई।

Quote...

"Do not go where the path may lead, go instead where there is no path and leave a trail."

-Ralph Waldo Emerson

MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

शिव साधु है... शिव विश्वास है... मुझे तो लगता है साधु का पर्याय विश्वास है... मुझे लगता है विश्वास का पर्याय साधु है...

।। मानस मंगलाचरण ।।

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

धर्म-कर्म

कलयुग में 2078 साल हो चुकी है श्रीकृष्ण की उम्र

जानें जन्माष्टमी का शुभ मुहूर्त

भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा में उनके जन्मोत्सव की तैयारी पूरी हो गई है. जिस तरह से श्रावण मास में भगवान शिव की भक्ति होती है, उसी तरह भाद्रपद भगवान श्रीकृष्ण की आराधना का महीना है. कृष्ण जन्माष्टमी पर भक्तगण पूरा दिन उपवास करते हैं. रात 12 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण का जागरण, भजन-कीर्तन, पूजन-अर्चना करते हैं और उनका आशीर्वाद पाते हैं. इस साल जन्माष्टमी का त्योहार 6 और 7 सितंबर को मनाया जा रहा है.

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण का अवतरण 3228 ईसवी वर्ष पूर्व हुआ था. इस हिसाब से इस साल श्रीकृष्ण का 5250 जन्मोत्सव मनाया जाएगा. कान्हा ने 3102 ईसवी वर्ष पूर्व यह लोक छोड़ दिया था. विक्रम संवत के अनुसार, कलयुग में उनकी आयु 2078 वर्ष हो चुकी है. यानी भगवान श्रीकृष्ण पृथ्वी लोक पर 125 साल 6 महीने 6 दिन रहे थे. इसके बाद वह स्वधाम चले गए.

6 या 7 सितंबर कब है जन्माष्टमी?

ज्योतिषविद ने बताया कि गृहस्थ जीवन वाले 6 सितंबर दिन बुधवार को जन्माष्टमी मनाएंगे. इस दिन रोहिणी नक्षत्र और रात पूजा में पूजा का शुभ मुहूर्त भी बन रहा है. जबकि 7 सितंबर दिन गुरुवार को वैष्णव संप्रदाय के लोग जन्माष्टमी मनाएंगे. साधु-संत और सन्यासियों में कृष्ण की पूजा का अलग विधान है और इस दिन दही हांडी उत्सव भी मनाया जाएगा.

कैसे कराएं खीरे से बाल गोपाल का जन्म?

जन्म के समय जिस तरह बच्चे को गर्भनाल काटकर गर्भाशय से अलग किया जाता है. ठीक उसी प्रकार जन्मोत्सव के समय खीरे का डंठल काटकर कान्हा का जन्म कराने की परंपरा है. जन्माष्टमी पर खीरा काटने का मतलब बाल गोपाल को मां देवकी के गर्भ से अलग करना है. खीरे से डंठल को काटने की प्रक्रिया को नाल छेदन कहा जाता है.

भादो कृष्ण अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में रात 12 बजे श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था. जन्माष्टमी की रात डंठल और हल्की सी पत्तियों वाले खीरे को कान्हा की पूजा में उपयोग करें. रात के 12 बजते ही खीरे के डंठल को किसी सिक्के से काटकर कान्हा का जन्म कराएं. इसके बाद शंख बजाकर बाल गोपाल के आने की खुशियां मनाएं और फिर विधिवत बांके बिहारी की पूजा करें.

जन्माष्टमी का प्रसाद

1. धनिया पंजीरी

कई जगहों पर श्रीकृष्ण को निया पंजीरी का भोग लगाया जाता है. आप इसे आसानी से घर पर बनाकर लड्डू गोपाल को भोग लगा सकते हैं. इसमें मेवा मिलाना ना भूलें.

2. माखन मिश्री

माखन और मिश्री कृष्ण जी को बहुत प्रिय है. ऐसी मान्यताएं हैं कि श्रीकृष्ण अपने बाल रूप में चुराकर माखन और मिश्री खाते थे. ऐसे में आप घर पर बने हुए माखन का भोग उन्हें लगा सकते है.

3. श्रीखंड

ये गुजरात की काफी प्रसिद्ध डिश है. इसे बनाकर आप छोटे से कान्हा का भोग लगा सकते हैं. इसे दही, चीनी, इलाइची और केसर के साथ बनाया जाता है.

4. खीर

ऐसा कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को खीर काफी प्रिय है. ऐसे में आप मखाने या साबुदाने की खीर बनाकर इसका भोग उन्हें लगा सकते हैं और इसे प्रसाद के रूप में वितरित कर सकते हैं.

Highlights

1. Punjab to give free treatment to accident victims in first 48 hrs
2. Replica of 'Dancing Girl' from Mohenjo-daro installed at G20 venue
3. Latest video shows venue decorated for G20 Summit in Delhi
4. Latest video shows venue decorated for G20 Summit in Delhi
5. Absence of heads of state not new: EAM on Xi not attending G20

RBI committed to bring down inflation to 4%, watchful of price risks: Shaktikanta Das

NEW DELHI, (Agency). Reserve Bank Governor Shaktikanta Das on Tuesday said the central bank is firmly focused on bringing down inflation to 4 per cent and remains prepared to undertake policy responses to deal with supply shocks, which have become more frequent with profound implications.

The current episode of high global inflation and preceding overlapping shocks of the pandemic and Russia-Ukraine war have raised significant issues and challenges for the conduct of monetary policy, the governor said in a speech on 'Art of Monetary Policy Making: The Indian Context' at Delhi School of Economics (DSE) Diamond Jubilee Distinguished Lecture.

He said the monetary policy framework in India has evolved in line with the developments in theory and country practices, the changing nature of the economy and developments in financial markets. Within the broad objectives, the relative emphasis on inflation, growth and financial stability has, however, varied across monetary policy regimes since independence.

Das listed out steps the central bank took to deal with the situation created in the wake of the COVID pandemic and the Russia-Ukraine war.

Following the outbreak of the war, the central bank raised the policy rates by 250 basis points since May 2022.

"After a near-zero policy rate for a prolonged period, central banks in these (advanced) economies started raising interest rates aggressively in 2022, which contributed to stress in certain banks in these economies. In contrast, our battle against inflation is not constrained by financial stability concerns. In fact, even during the COVID phase, we continuously took measures to strengthen financial stability," the governor said.

CBI arrests GAIL executive director, four others in bribery case

NEW DELHI, (Agency). The Central Bureau of Investigation on Tuesday arrested five persons, including the executive director of Gas Authority of India Ltd (GAIL), in a bribery case.

A senior CBI official informed that the arrested persons were involved in bribery of ₹50 lakh. A complaint was received into the matter, and the trap was laid. The accused promised a GAIL project to a person, and a bribe was demanded in return for the project.

The arrested executive director of GAIL KB Singh will be questioned along with other arrested persons.

"CBI conducted searches in Delhi, Noida and Vishakhapatnam at several locations," the official said.

Earlier, the CBI registered a case against Amitabha Banerjee, former CMD of Indian Railway Finance Corporation (IRFC) in connection with irregularities in the purchase and distribution of exorbitant gold and non-gold items from funds of IRFC.

The FIR into the matter reads that CBI has received a complaint that alleges financial embezzlement on the part of officials of IRFC including Amitabha Banerjee, the then CMD of IRFC (Indian Railway Finance Corporation) in connection with procurement/purchase and distribution of exorbitant gold and non-gold items from funds of IRFC.

New Delhi

लिव-इन में रह रहे बच्चों को माता-पिता भी नहीं कर सकते मना, भले ही पार्टनर का मजहब अलग क्यों न हो: हाई कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे किसी पार्टनर के साथ भी लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहें हैं तो उसमें माता-पिता हस्तक्षेप नहीं कर सकते भले ही पार्टनर का मजहब अलग ही क्यों न हो। इसका साथ ही हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रह रहे अंतरधार्मिक जोड़े को धमकी मिलने पर पुलिस को सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है।

मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस सुरेंद्र सिंह-I की पीठ ने कहा, "मामले के तथ्यों और परिस्थितियों और शीर्ष न्यायालय द्वारा अपने निर्णयों में निर्धारित कानून को ध्यान में रखते हुए, इस अदलात की राय है कि याचिकाकर्ता एक साथ रहने के लिए स्वतंत्र हैं और उनके माता-पिता या किसी अन्य सहित किसी भी व्यक्ति को उनके शांतिपूर्ण लिव-इन-रिलेशनशिप में हस्तक्षेप

करने की अनुमति दी जाएगी। यदि याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण जीवन में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है, तो याचिकाकर्ता इस आदेश की एक प्रति के साथ संबंधित पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर सकते हैं,जो याचिकाकर्ताओं को तत्काल सुरक्षा प्रदान करेगा।"

लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में एक याचिकाकर्ता, जो बालिग है, ने इस आधार पर सुरक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि उसकी की मां और अन्य रिश्तेदार उसके पार्टनर संग उसके रिश्ते के खिलाफ हैं और याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण जिंदगी जीने में व्यवधान डाल रहे हैं और परेशान कर रहे हैं। चूंकि याचिकाकर्ताओं को मां ने धमकी दी थी, इसलिए वे अपने परिवार के सदस्यों द्वारा ऑनर किलिंग को लेकर आशंकित हैं।

अदालत का दरवाजा खटखटाने से पहले याचिकाकर्ताओं ने गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त से सुरक्षा की मांग करते हुए एक आवेदन दिया था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

Punjab

सड़क हादसे में घायलों को पहले 48 घंटे मिलेगा मुफ्त इलाज, 'फरिश्ता' बनेगी भगवंत मान सरकार

चंडीगढ़, (एजेंसी) सड़क हादसे में घायल होने वालों की जान बचाने के लिए पंजाब सरकार एक नई पहल शुरू करने जा रही है। अब फरिश्ते स्कीम के तहत हादसे के पहले 48 घंटों में सभी पीड़ितों को मुफ्त इलाज दिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि चाहे व्यक्ति कहीं का भी रहने वाला हो, पंजाब सरकार की ओर से सड़क दुर्घटना के सभी पीड़ितों के साथ एक समान व्यवहार किया जाएगा। हादसे के पहले 48 घंटों के दौरान निजी अस्पतालों सहित पास के अस्पतालों में फ्री इलाज को यकीनी बनाया जाएगा।

मंगलवार को मगसीपा में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह लीड एजेंसी ऑन रोड सेफ्टी द्वारा करवाए एक समागम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क हादसे के पीड़ितों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को सम्मान पत्र और 2000 रुपये से सम्मानित किया जाएगा। सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को अस्पताल लेकर आने वाले व्यक्ति से अस्पताल अधिकारी या पुलिस की तरफ से तब तक कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। जब तक वह खुद अपनी मर्जी से चश्मदीद गवाह नहीं बनना चाहता।

Bihar

आकाशीय बिजली गिरने से पिता-पुत्र सहित 3 की मौत, परिवार में मचा कोहराम

छपरा, (एजेंसी) बिहार के सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से पिता-पुत्र सहित परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई. वहीं एक किशोर की हालत गंभीर है, उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. पीड़ित परिवार को आपदा राहत कोष से 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने का ऐलान किया गया है.

मृतकों के परिजनों ने बताया कि शाम के समय लगभग 5 बजे जब बारिश हो रही थी, उसी दौरान पिता-पुत्र खेत में यूरिया का छिड़काव करने गए थे. उसी समय घर के दो किशोर भी खेत पर चले गए. खेत में खाद डालने के दौरान बारिश होने लगी. बारिश से बचने के लिए चारों लोग एक पेड़ की आड़ में छिप गए. इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में चारो लोग आ गए और अचेत हो गए.

Rajasthan

चंदीपुरा के जंगल में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो बदमाश घायल, असलहा बरामद

धौलपुर, (एजेंसी) धौलपुर में बसई डांग थाना इलाके के चंदीलपुरा के जंगलों में मंगलवार देर रात एडीएफ और पुलिस में मुठभेड़ हो गई। तीन बदमाशों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। वहीं दो अन्य बदमाश घायल हो गए। तीनों बदमाशों को हिरासत में लेकर पुलिस ने घायल अवस्था में जिला अस्पताल भर्ती कर दिया है। बदमाशों के कब्जे से भारी तादात में असलहा भी बरामद किया है। तीनों बदमाश इनामी बताये जा रहे हैं।

एडीएफ एडिशनल एसपी देवेंद्र राजावत ने बताया, देर रात एडीएफ टीम को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि बदमाश रामलखन, उदयभान और राजेन्द्र गुर्जर बसई डांग थाना क्षेत्र के चंदीलपुरा गांव के जंगलों में छुपे हुए हैं। उन्होंने बताया, मुखबिर की सूचना पर बसई डांग थाना पुलिस एवं सोने का गुर्जर थाना पुलिस से संपर्क स्थापित कर पुलिस टीमों का गठन किया गया। मुखबिर की निशान देई पर चंदीलपुरा के जंगलों में बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया गया। उन्होंने बताया, पुलिस टीम सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर बदमाशों के पास पहुंच गई। पुलिस के पहुंचते ही बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

खेल

श्रीलंका की रोमांचक जीत के साथ सुपर-4 में एंट्री, अफगानिस्तान एशिया कप 2023 से बाहर

नई दिल्ली, (एजेंसी) श्रीलंका ने मंगलवार को एशिया कप 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने 292 रन का लक्ष्य, जिसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 38.4 ओवर में 289 रन पर ढेर हो गई। श्रीलंका ने सुपर-4 में एंट्री कर ली है। वहीं, अफगानिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। अफगानिस्तान को अगले चरण में प्रवेश करन के लिए 37.1 ओवर में टारगेट चेज करना था। एक समय अफगानिस्तान ऐसा करते हुए भी नजर आ रहा था लेकिन फिर अरमानों पर पानी फिर गया।

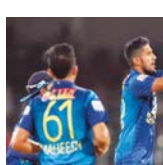

अफगानिस्तान के लिए सर्वाधिक रन मोहम्मद नबी ने 32 गेंदों में 65 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 5 छक्के लगाए। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 66 गेंदों में 59 रन जोड़े। रहमत शाह ने 45 जबकि गुलबदीन नायब और करीम जनत ने 22-22 रन जुटाए। राशिद खान ने 16 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए। उन्होंने चार चौके और एक छक्का लगाया। राशिद जिस लय में थे, अगर उन्हें 38वें ओवर मे बैटिंग का मौका मिलता तो शायद कहानी कुछ और भी हो सकती थी। धनंजय डिसिल्वा ने इस ओवर में मुजीबर उर रहमान और फजलहक फारूकी को आउट कर अफगानिस्तान की पारी को समेटा। दोनों खाता नहीं खोल सके। कासुन राजिथा ने चार, दुनिथ वेललेज और डिसिल्वा ने दो-दो शिकार किए।

इससे पहले, श्रीलंका ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 291 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 84 गेंदों में 6 चौकों और 3 छक्कों की बदौलद 92 रन की पारी खेली। उन्होंने पथुम निसांका (41) के साथ पहले विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की। इसके बाद, मेंडिस ने चरिथ असलंगा (36) के साथ बखूबी मोर्चा संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 102 रन की पार्टनरशिप की। दिमुथ करुणारत्ने ने 32 और महीश थीक्षाना ने 28 रन का योगदान दिया। दुनिथ वेललेज 33 रन बनाकर नाबाद रहे।

सिनेमा

नेशनल अवॉर्ड नहीं मिलने पर बोले कुमार सानू, 'दुख होता है, लेकिन मस्का लगाना नहीं आता'

कुमार सानू को इंडस्ट्री में चार दशक हो चुके हैं. इन चालीस सालों से लगातार कुमार सानू एक्टिव रहे हैं. हाल ही में फिल्म 'गन्स ऐंड गुलाब' के लिए उन्होंने 'दो राजी' गाना गाया है. 90 के फ्लेवर पर बने इस गाने को फैंस द्वारा खूब पसंद भी किया जा रहा है. इस इंटरव्यू में कुमार सानू हमसे अपनी जर्नी, करियर के उतार-चढ़ाव, म्यूजिक के बदलते ट्रेंड और नेशनल अवॉर्ड न मिलने का दुख भी शेयर करते हैं.

कुमार सानू ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक म्यूजिकल हिट्स दिए हैं. उनकी पॉप्युलैरिटी का आलम यह था कि सभी टॉप प्रोड्यूसर्स व डायरेक्टर अपनी फिल्मों में उनसे गाने गवाना चाहते थे. उस वक्त यह बात धारणा थी कि कुमार सानू के एक गाने के इस्तेमाल से उनकी फिल्म के हिट होने के चासेंस बढ़ जाते थे. इस पॉप्युलैरिटी पर कुमार सानू कहते हैं, हां, करियर के सफर में 90 के दौर को मैंने बहुत इंजॉय किया है. इसके लिए मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि इंडस्ट्री ने मुझे इस लायक समझा और इतने मौके दिए थे. हालांकि मेरे पैर हमेशा जमीन पर जुड़े रहे थे. इतनी तसल्ली है कि मैंने जो भी गाना गाया है, वो दिल से गाया है और उनके साथ कभी अन्याय नहीं किया है.

अंतिम संस्कार करने गए परिवार पर हमला, शव छोड़कर भागे बेटे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **अंबिकापुरी में रहने वाले दुबे परिवार पर उनके रिश्तेदारों ने प्राणघातक हमला कर दिया। परिवार के सदस्य मां का शव लेकर पहुंचे थे। हमलावर खेत में अंतिम संस्कार करने का विरोध कर रहे थे। जिस जमीन (खेत) में अंतिम संस्कार करना तय हुआ उसको लेकर कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है।**

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक, घटना ग्राम मिर्जापुर की है। अंबिकापुरी (अन्नपूर्णा) निवासी 65 वर्षीय कौशल्या दुबे का हार्ट अटैक के कारण निधन हुआ था। मंगलवार कौशल्या का शव मिर्जापुर ले गए तो उन पर रिश्तेदार प्रेमनारायण, शिव, विजय आनंद, अभिषेक, दीपक, धर्मेंद्र, राहुल आदि ने डंडे और बेसबाल के बल्ले से हमला कर कर दिया। हमले में कौशल्या के बेटे गोपाल दुबे, अमरकांत, गणेश, अरविंद सहित भानजे शुभम शर्मा, दामाद ओमप्रकाश, गयाप्रसाद पर हमला कर दिया।

गणेश के मुताबिक, खेत पुस्तैनी है। पिता शेखर, दादा लक्ष्मीनारायण का भी अंतिम संस्कार इसी जगह हुआ था।हमला अचानक हुआ तो कुछ समझ नहीं पाए। शवयात्रा में शामिल होने आए लोग भाग गए। दाह संस्कार करने वाले भाई घायल हो गए और उन्हें अस्पताल भिजवाना पड़ा। लोगों की मदद से शव श्मशान ले गए और मझले बेटे गणेश को अग्नि क्रिया करना पड़ी।

टीआइ के मुताबिक, मामले में आरोपित पक्ष पर केस दर्ज होगा। गणेश के मुताबिक, पुलिस सहयोग नहीं कर रही है। पुलिसवालों ने थाने से यह बोलकर रवाना कर दिया कि खेत में अंतिम संस्कार करने क्यों गए थे।

सोशल मीडिया पर दिखाई पिस्टल, क्राइम ब्रांच ने आरोपी को पकड़

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने सोशल मीडिया पर पिस्टल दिखाकर वीडियो बनाने वाले आरोपी को पकड़ा है। आरोपी ने इसे अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर अपलोड किया था। क्राइम ब्रांच ने उससे पिस्टल और कारतूस जब्त कर उसे हीरानगर पुलिस के सुपुर्द किया है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया की टीम ने जयपाल सिंह पुत्र संतोष सिंह राजपूत निवासी खातीपुरा धर्मशाला के सामने हीरानगर को पकड़ा है। आरोपी के पास से एक देशी पिस्टल ओर कारतूस भी बरामद किया है। आरोपी ने पिछले दिनों इंस्ट्राग्राम पर एक रील डाउनलोड की। जिसमें उसने हाथ में पिस्टल भी दिखाई। यह वीडियो क्राइम ब्रांच तक पहुंचा। इसके बाद जयपाल पर कार्रवाई की गई।

ठेकेदार पर जानलेवा हमला, वकील पांच गिरफ्तार

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने वकील सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपित मकान न बनाने पर नाराज था। टीआइ नीरज मेढा के मुताबिक, चौहान कालोनी पिपल्याहाना निवासी युसूफ खान ने परवेज अली से मकान बनवाया था। रुपये न देने पर परवेज ने काम अधूरा ही छोड़ दिया। मंगलवार को युसूफ अपने भाई कादर खान, फिरोज खान, अमजद खान और भतीजे आवेश खान को लेकर मथुरा कालोनी पहुंचा और परवेज व उसके भाई जावेद पर जानलेवा हमला कर बाइक लूट ली। पुलिस ने सभी आरोपितों पर जानलेवा हमले की धाराओं में केस दर्ज कर पांचो को गिरफ्तार कर लिया।

महिला को मारा डंडा

इंदौर। एमआईजी पुलिस को प्रियंका पति पवन इंगले निवासी अमर टेकरी ने शिकायत दर्ज करवाई कि जब मैं घर से निकली तो सामने वाले संतोष पिता रामलाल बरवा पुराने झगडे को लेकर विवाद करने लगा, जब संतोष ने डंडे से मार दिया। बीचबचाव करने आया महिला के पति पवन के साथ भी झूमाझटकी की जिससे उसे गले में चोट लगी। इसी प्रकार एरोड्रम पुलिस को राखी मालाकार निवासी विजयश्री नगर ने शिकायत दर्ज करवाई कि मैं अपने घर के बाहर खडी थी तभी वहां वर्षा सिंह आई और मेरे चरित्र को लेकर अपशब्द कहने लगी जब फरियादिया ने उसे अपशब्द कहने से मना किया तो वर्षा ने उसके बाल खींचे और वहां पड़ा पत्थर उठाकर मार दिया। विवाद यहां भी नहीं रुका और बीच में वर्षा सिंह के बच्चे शालिनी और शुभम भी आ गए और उन्होने भी फरियादिया के साथ मारपीट की। बीचबचाव करने आई फरियादी की सास अनुसुइया को भी अपशब्द कहने लगे।

दीवार को लेकर पड़ोसियों में झगड़ा

इंदौर। पड़ोसियों के बीच दीवार बनाने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गई। मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। राऊ पुलिस के मुताबिक रामङ्क्षसह पिता ओमप्रकाश यादव निवासी राज लक्ष्मी एवेन्यू केट रोड की रिपोर्ट पर आरोपी पूनम कैथवास के खिलाफ केस दर्ज किया गया। रामसिंह ने बताया कि उसने एक फ्लैट जी -1 राज लक्ष्मी एवेन्यू में वर्ष 2013 में पूनम कैथवास से खरीदा था। सोमवार को वह फ्लैट के पास दीवार बना रहा था। मैंने व मेरे भाई ने गाली देने से मना किया तो आरोपी ने हॉकी से पीटा। दोनों को चोट आई।

सगाई के आठ दिन बाद ही सुसाइड

कपड़ा व्यापारी ने देर रात खाया जहर, अलसुबह मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **द्वारकापुरी इलाके में रहने वाले एक कपड़ा व्यापारी ने अपनी सगाई के आठ दिन बाद ही जहर खाकर जान दे दी। बताया जाता है कि रात में वह घर पर था। खाना खाने के बाद मंगलवार रात में जहर खा लिया। उसे उपचार के लिये एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।**

द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक कुंदन नगर में रहने वाले संदीप (24) पुत्र सुभाष गोयल ने अपने घर में मंगलवार रात जहर खा लिया। देर रात पिता उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे। यहां बुधवार सुबह साढ़े चार बजे उसने दम तोड़ दिया। फिलहाल मामला जांच में लिया गया है।

पिता के साथ करता था कपड़ा का व्यापार

परिवार के लोगों ने बताया कि संदीप अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। उसके पिता हाट बाजारों में कपड़े की दुकान लगाते हैं। संदीप भी उनके साथ दुकान पर जाता था। ज्यादातर पिता पुत्र इंदौर के बाहर लगने वाले बाजार में ही व्यापार करते थे। संदीप की दो बहनें हैं। जिसमें से एक की शादी हो चुकी है।

आठ दिन पहले हुई सगाई

परिवार के लोगों ने बताया कि आठ दिन पहले ही खरगोन के पास एक गांव में संदीप की सगाई हुई थी। बताया जाता है कि संदीप ने खुद लडक़ी पंसद कर पिता को बताई थी। जिसके बाद पिता ने बात की थी। दीपावली के बाद छोटी बहन और संदीप की परिवार के लोग साथ में शादी का मन भी बना चुके थे। परिवार के मुताबिक संदीप को किसी तरह का तनाव नहीं था। साथ ही कर्ज जैसी भी कोई बात सामने नहीं आई। परिवार के मुताबिक अभी किसी का सुसाइड नोट भी उन्हें नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक पारिवारिक बयान के बाद ही स्थिती स्पष्ट हो पाएगी।

डिलीवरी इंजार्च का बैग लूटने वाली गैंग पकड़ाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **एमआईजी इलाके में 28 अगस्त हो हुई लूट के मामले में क्राइम ब्रांच ने आरोपियों को पकड़ लिया है। मामले में आरोपियों से और वारदातों की जानकारी निकाली जा रही है। बदमाश देवास के रहने वाले हैं। उन्होंने शहर में और भी कई वारदातों को अंजाम दिया। मामले में बुधवार को अफसर इसका खुलासा करेंगे।**

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया की टीम ने गोलू निवासी देवास और उसके पांच साथियों को पकड़ा है। आरोपियों ने अमित पुत्र देवास पंवार के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया। अमित ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया था कि वह कन्फेक्शनरी कंपनी में डिलीवरी इंजार्च है।

वह 28 अगस्त की रात में दोस्त जतिन के साथ केश कलेक्शन लेकर उसे दो शोल्डर बैग मे रखकर घर जा रहे थे तभी श्रीनगर एक्सटेंशन साँची पॉईन्ट के आगे बाइक पर आए तीन बदमाशों ने चाकू निकालकर दोनाँ के साथ मारपीट की। इस दौरान दोनों से बैग छीनकर फरार हो गए। आरोपियों के जब स्थानीय पुलिस ने फुटेज निकाले तो उनकी संख्या 6 दिखी। इसके बाद लगातार क्राइम ब्रांच ओर एमआईजी पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी रही। इधर क्राइम ब्रांच ने एमआईजी पुलिस के पहले ही आरोपियों को दबोच लिया। उन्होंने लूट की वारदातें करना कबूल की है। वहीं और वारदातों का भी खुलासा किया है।

ईंट व्यावसायी पर हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **ईंट व्यवसायी को बदमाशों ने रोक लिया और शराब पीने के लिए दो हजार रुपए मांगे, इनकार करने पर मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर भाग निकले।**

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना हेमंत पिता रामस्नेही बौरासी निवासी बाणगंगा के साथ सोमवार रात हुई। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी राजेंद्र, आशु, कालू और अजय के खिलाफ केस दर्ज किया गया। हेमंत ने पुलिस को बताया कि वह ईंटों का व्यवसाय करता है। रात 8.30 बजे आरोपियों ने उसे ग्राम कुमेड़ी में न्यू ईरा स्कूल के आगे रोक लिया और मुझसे बोलने लगे कि तू भ_ का मालिक है। आजकल बहुत ज्यादा पैसा कमा रहा है। हम इस क्षेत्र के दादा-पहलवान हैं। आज हमें शराब पीना है। तुहें हमें शराब पीने के लिए दो हजार रुपए देना पड़ेंगे। मैंने बोला कि मेरे पास दो हजार रुपए देने के लिए नहीं हैं। इस पर बदमाशों ने अपनी जेब से चाकू निकाला और गालियां दी। मैंने विरोध किया तो चारों में से एक ने चाकू से वार कर दिया। चाकू हाथ में लगा। हमले के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

sponcership
DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
Detective Group Report SUBSCRIBE

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।